Follow Us:

- @sadbhavanatrust
- @sadbhavnatrust
- @sadbhavanatrust
- @lucknowleaders
- @sadbhavana trust
- www.sadbhavanatrust.com

SADBHAVNA TRUST

sadbhavanalko12@gmail.com

Head Office -New Delhi, India

Branch Office- Flat No-201 Second Floor, Neta ji Subhash Chandra Bose Complex, Near Charak Chowraha,(Mandi Crossing) Chowk, Lucknow -226003

वार्षिक रिपोर्ट 2022-23

SADBHAVNA TRUST

www.sadbhavanatrust.com 0522 - 4077 697

परिचय

सद्भावना ट्रस्ट की स्थापना सन 1990 में दक्षिणी दिल्ली में काम कर रहे एक युवा सामाजिक कार्यकर्ताओ के समूह के द्वारा किया गया था। सद्भावना ट्रस्ट एक नारीवादी विचारधारा एवं महिला नेतृत्व की संस्था है जो कि, राष्ट्रीय स्तर पर 1990 से और उत्तर प्रदेश में 2009 से सामुदायिक विकास में सक्रिय रूप से अपनी अहम भूमिका अदा कर रही है। सद्भावना ट्रस्ट अल्प सुविधा प्राप्त क्षेत्रों एवं निम्न आय वर्ग के वंचित समुदाय की किशोरियों एवं महिलाओं के साथ जेण्डर आधारित हिंसा एवं पहचान, नजरिया निर्माण के साथ तकनीकी कौशल के द्वारा नेतृत्व क्षमता का गुण पैदा करती हैं और स्वरोजगार, वैधानिक एवं संवैधानिक साक्षरता के माध्यम से किशोरियों एवं महिलाओं का सशक्तिकरण करती है।

विज़न: हम एक ऐसे समाज की कल्पना करते हैं जहां हाशिए पर रहने वाले और ज़रूरतमंद समुदायों के सभी लोग, विशेष रूप से महिलाएं, पितृसत्तात्मक मान्यताओं को तोड़ने में सक्षम हों, और दूसरों को बेहतर भविष्य के लिए सम्मान के साथ एक सशक्त जीवन जीने के लिए प्रेरित करें।

मिशन: जेंडर सामाजिक न्याय, समाज बनाने की दिशा में सामाजिक बदलाव के लिए कार्य करना। राजनीतिक, सामाजिक, आर्थिक रूप से हाशिये पर रहने वाले समुदायों की महिलाओं और किशोरियों को सशक्त बनाना और उन्हें पितृसत्तात्मक मान्यताओं को चुनौती देने और अपने समुदायों के जीवन की परिस्थितियों को बदलने में सक्षम बनाना। युवा महिलाओं के नेतृत्व कौशल का विकास के लिए जेण्डर और तकनीकी के बीच की दूरी को कम करने के लिय रचनात्रमक रणनीतियों का विकास करना।

सिद्धांत

- सामूहिक नेतृत्व
- समता एवं समानता
- सम्मान
- लचिलापन
- गोपनीयता
- पारदर्शिता
- सामान-भूति

दृष्टिकोण

नारीवादी समुदायों के लिए काम करने, उनकी ज़रूरत को समझने और उन्हें संबोधित करने से संबंधित निर्णय लेने की बात आती है, तो सद्भावना नारीवादी दृष्टिकोण का पालन करती है

सहभागिता समुदायों, युवाओं, महिला समूहों और समुदाय आधारित संगठनों के साथ काम करना

समावेश कार्यक्रमों के माध्यम से बहिष्करण और लैंगिक असमानता से निपटना

साझेदारी नेटवर्क, नागरिक समाज संगठनों, अंतरराष्ट्रीय ग़ैर-सरकारी संगठनों के साथ साझेदारी करना

नेटवर्किंग व्यक्तिगत, फाउंडेशन, कॉर्पोरेट, सरकारी हितधारक और सी.बी.ओ., गैर-सरकारी संगठन

महिला लीडर महिला नेतृत्व क्षमता (लीडरशिप) को प्रोत्साहन देना और समाज की मुख्यधारा में लीडरशिप की भूमिका में लाना

हमारे कार्यक्रम की पहुंच

राज्य	वार्ड नं.
उत्तर प्रदेश	लखनऊ
01	11

जिला	बस्ती
लखनऊ	लखनऊ
01	80

महापालिका
लखनऊ
01

सद्भावना द्वारा समग्र पहुंच

- सोशल मीडिया के द्वारा प्रत्यक्ष पहुंच - 1,64, 194
- प्रिंट इलेक्ट्रॅनिक मीडिया के द्वारा प्रत्यक्ष पहुंच - 35,560
- कार्यक्रम के माध्यम से प्रत्यक्ष पहुंच - 34,460
- अभियान के माध्यम से प्रत्यक्ष पहुंच - 45,200

सद्भावना के प्रयास

- किशोरी मोहल्ला मंच - 100
- महिला फोरम - 100
- यूथ मेला के प्रतिभागी - 1000

- यूथ मेला का आयोजन - 01
- रोजगार अनुदान - 50
- राजनीतिक क्षेत्र में महिलाएं - 150
- शिक्षा के लिय मोबाइल फोन - 45
- कानूनी साक्षरता एवं जागरूकता - 125
- सिलाई मशीन - 22
- ड्रॉप आउट गर्ल्स को फिर से स्कूल से जोड़ा - 200
- संधर्षशील महिला के बच्चों को एजुकेशन स्कॉलरशिप - 20

साझेदारी और सहयोग

- कॉरपोरेट सोशल रिस्पांसिबिलिटी - 02
- प्रिंट इलेक्ट्रानिक मीडिया के द्वारा प्रत्यक्ष पहुंच - 01
- अंतर्राष्ट्रीय संस्थाएं - 03
- राष्ट्रीय संस्थाएं - 05
- राज्य स्तरीय संस्थाएं - 09

सद्भावना के द्वारा चलाए जा रहे कार्यक्रम एवं अभियान

किशोरी एवं युवा महिला कार्यक्रम

- गर्ल्स फोरम (किशोरी मोहल्ला मंच)
- बुलंद इरादे (बेसिक लीडरशिप बिल्डिंग प्रोग्राम)
- नए कौशल नई राहें (जॉब स्किल प्रोग्राम)
- बेखौफ नज़रे (य़ंग वूमेन लीडर)

महिला सशक्तिकरण कार्यक्रम

- महिला मोहल्ला मंच (महिला संगठन)
- सूचना डेस्क (इनेबलिंग एक्सेस टू एंटाइटलमेंट)
- सामुदायिक नेतृत्व क्षमता विकास
- संघर्षशील महिलाओं के साथ मिलकर जेण्डर आधारित
- हिंसा का मुकाबला करना एवं कानूनी सहयता प्रदान करना
- आजीविका एवं शिक्षा के माध्यम से महिलाओं को सहयोग

इन हर वॉइस कार्यक्रम

डिजिटल मीडिया प्रोग्राम

- सामुदायिक पहल
- डिजिटल एक्सेस (गर्ल्स)
- डिजिटल लिटरेसी (वुमेन)

किशोरी एवं युवा महिला कार्यक्रम

किशोरी एवं युवा महिला कार्यक्रम से आशय हैं कि, किशोरी एवं युवा महिला रोजमर्रा की जिंदगी में पितृसत्तात्मक बाधाओं और जेंडर आसमानता को चुनौती देने और उससे निपटने के लिए कौशल एवं क्षमता विकसित कर सके, जिससे वह अपने परिवार, समुदाय एवं समाज में बदलाव लाने में सक्षम हो और युवा लीडर की भूमिका निभा सके।
किशोरी एवं युवा महिला कार्यक्रम के चार प्रमुख चरण (भाग) हैं।

गर्ल्स फोरम (किशोरी मोहल्ला मंच)

किशोरियों एवं युवा महिलाओं के द्वारा संचालित मंच है, जहां पर वह अपने समुदाय में अन्य किशोरियों एवं युवा महिलाओ के साथ पितृसत्तात्मक व्यवस्था, जेंडर आधारित भेदभाव एवं हिंसा, यौन उत्पीड़न और सम्बंधित कानून, शिक्षा, शादी एवं रिश्ते, आजीविका एवं रोजगार, जैसे विषयों पर मिलकर जानकारी लेती और एक दूसरे के साथ सूचनाओं पर साझी समझ बनाती हैं पारिवारिक एवं सामुदायिक स्तर पर रूढ़िवादी आधारित बाधाओं से निपटने के लिए एक-दूसरे को सहयोग देती हैं।

क्षेत्र का विवरण एवं प्रमुख गतिविधियाँ

म्युनिसिपल कॉरपोरेशन वार्ड -08

मोहल्ला - 70

किशोरी मोहल्ला मंच - 70

सामुदायिक लीडर्स - 140

किशोरी मोहल्ला मंच की सदस्य - 700

कार्यशाला एवं बैठक - 1680

सामुदायिक बैठकों आयोजनः- शिक्षा, पितृसत्ता, जेंडर, पहचान, भेदभाव, घरेलू हिंसा एवं संबंधित कानून, यौनिकता, माहवारी प्रबंधन, संवैधानिक अधिकार जैसे विषयों पर किया गया।

एक्सपोजर विज़िट मे प्रतिभागियों की संख्या - 500

(किशोरियों को महिंद्रा सनतकदा फेस्टिवल के अंतर्गत यूथ मेला में एक्सपोजर विज़िट कराया गया)

कार्यक्रम की प्रमुख उपलब्धियां

200 ड्रॉप आउट लड़कियों को स्कूल एवं इंटर कॉलेज से जोड़ा गया।

45 लड़कियों को ऑनलाइन शिक्षा के लिए स्मार्टफोन उपलब्ध करा कर उनकी शिक्षा को सुचारू रूप से चलने में सहयोग किया गया।

70 किशोरी मोहल्ला मंच को स्थाई एवं सक्रिय रूप से समुदाय की किशोरियों एवं युवा महिलाओं के द्वारा संचालित किया गया।

सफलता की कहानी

''अब मेरी पहचान सामुदायिक युवा लीडर के रूप में है''

मैं मुस्कान,18 वर्ष की हूँ और अकबर नगर, लखनऊ में अपने परिवार के साथ रहती हूं। बचपन से ही परिवार एवं समुदाय के द्वारा रोक-टोक थी लड़कियां कम बोलती हैं, धीरे बोलती हैं, सुरीला बोलती हैं, लड़कियों को केवल परिवार के लोगों के साथ ही बाहर निकलना चाहिए, लड़कियां चारदीवारी में ही सुरक्षित है। ऐसी बहुत सारी कहानियां मुझे सुनाई गई थी जिस कारण से मैं किसी भी मंच पर अपनी बात नहीं रख पाती थी मेरा घर से निकलना ना के बराबर था। मैं हर रोक-टोक पर सवाल पूछना चाहती थी? लेकिन किशोरी मोहल्ला मंच से जुड़ने से पहले कभी सवाल नहीं पूछ सकी।

किशोरी मोहल्ला मंच से जब मैं पहली बार मिली तो ऐसा लगा मेरे अंदर के सवालों को जवाब मिल गया हो, यह वही जगह थी जहां मैं खुलकर अपनी बात रख सकती थी और मेरी बातों को सभी साथी बहुत महत्त्व देते हैं किशोरी मोहल्ला मंच ने मेरे शब्दों को अर्थ दिया और मेरे पैरों को गतिशीलता दी, आज मैं किशोरी मोहल्ला मंच की लीडर हूं और समुदाय की लड़कियां मुझसे कहती है कि मैं आप जैसा बनना चाहती हूं।

बुलंद इरादेः जेंडर, टेक्नोलॉजी एंड कम्युनिटी एक्शन

बुनियादी नेतृत्व (लीडरशिप) विकास पाठ्यक्रम

यह एक बुनियादी नेतृत्व (लीडरशिप) विकास पाठ्यक्रम है, जिसमें तीन चरण हैं।

नज़रिया-निर्माण

इस चरण में, प्रतिभागियों को पितृसत्ता, जेंडर, पहचान, गतिशीलता और जेंडर आधारित हिंसा के विषय में सूचना और जानकारी प्रदान की जाती है। इसके साथ ही, उन्हें रोजमर्रा के जीवन में उत्पन्न होने वाली बाधाओं को पहचानने की क्षमता विकसित की जाती है और उनसे निपटने की क्षमता को मज़बूत किया जाता है। इसके अलावा, वर्तमान में संबंधित मुद्दों की चर्चाओं और बहसों से उन्हें अवगत किया जाता है।

बुनियादी डिजिटल कौशल

इस चरण में, प्रतिभागियों को कंप्यूटर की बुनियादी जानकारी, टाइपिंग, एमएस ऑफिस, इंटरनेट सर्फिंग, ईमेल राइटिंग, ईमेल प्रोसेसिंग, ऑनलाइन फॉर्म आवेदन करने के साथ फोटोग्राफी, सोशल मीडिया हैंडलिंग, कैनवा जैसे जरूरी बुनियादी कौशल सीखने और रोजमर्रा के जीवन में उनका प्रयोग करने की जानकारी दी जाती है।

सामुदायिक जुड़ाव

इस चरण में, सामुदायिक लीडरशिप के कौशल और नेतृत्व क्षमता को विकसित किया जाता है। यह प्रतिभागियों को मोबिलाइज़ेशन, स्थानीय समस्याओं को समझना, सत्र आयोजित करना, योजनाओं, अधिकारों और लिंग आधारित हिंसा पर जानकारी का प्रचार और प्रसार करने जैसे बुनियादी कौशल सिखाता है।

यह पाठ्यक्रम नेतृत्व क्षमता को संवारने, व्यक्तिगत और सामुदायिक स्तर पर समस्याओं का समाधान करने, और आवश्यक कौशलों का विकास करने के लिए डिजाइन किया गया है। यह पाठ्यक्रम लोगों को समाज में सक्रिय भूमिका निभाने में मदद करता है और एक सशक्त समुदाय के निर्माण को प्रोत्साहित करता है।

कार्यक्रम की प्रमुख गतिविधियाँ

कुल बैच	02	संख्या
प्रतिभागियों	80	संख्या
नज़रिया निर्माण पाठ्यक्रम	60	दिन
बुनियादी डिजिटल कौशल पाठ्यक्रम	60	दिन
सामुदायिक जुड़ाव पाठ्यक्रम	60	दिन
सोशल मीडिया वर्कशॉप	33	दिन
सोशल मीडिया वर्कशॉप पाठ्यक्रम	20	दिन

सफलता की कहानी

''मैं मंच की नेता हूँ''

मैं नौशीन, राधाग्राम ठाकुरगंज, लखनऊ में अपने परिवार के साथ रहती हूं, मैं कक्षा नौ में पढ़ रही हूं और मुझे पढ़ाई का बहुत शौक है। मेरे कुछ दोस्त हैं, जो मंच संगठन से जुड़े हुए हैं। उन्होंने मुझे बताया कि यहां एक मंच है जहां लड़कियों को नेतृत्व में लाने की बात की जाती है और वहां पर जानकारी मजेदार तरीके से बताई जाती है। मेरे दोस्त के सहायता से मैं उस मंच में शामिल हुई और मुझे वहां पर बहुत मजा आने लगा। मैंने वहां पर नए दोस्त बनाएं और हमें हर चीज की चर्चा करने का मौका मिलता था। घर में चल रहे सभी मामलों के बारे में बात करने से लेकर किसी भी विषय पर चर्चा करने में मुझे बड़ा मजा आता है। मेरी जिंदगी में जो कमी थी, वह पूरी हो गई है और मैंने अपने दोस्तों को भी इस मंच के बारे में बताया है जहां हम अपनी बातें रख सकते हैं। आज मैं मंच की नेता हूँ और मैं हमेशा पूछती हूँ कि क्या कोई काम है या कोई जानकारी चाहिए। मुझे ऐसे सभी काम करने में बहुत खुशी मिलती है। मैं बुलंद इरादे प्रोग्राम में भी शामिल हुई हूँ और वहां से मैंने और भी नए चीजें सीखी हैं, जैसे कंप्यूटर का उपयोग। अब मेरे अंदर इतना बदलाव आ गया है कि अगर कोई घर पर कोई गलत बात करता है तो मैं उसके लिए आवाज उठाती हूँ और उसे बताती हूँ कि यह गलत है और ऐसा नहीं होना चाहिए। आज मेरे परिवार को मुझ पर गर्व है। वे कहते हैं कि मैं अच्छी तरह से सीख रही हूँ और उन्हें गर्व होता है।

‘‘नए कौशल, नई राहें’’ कार्यक्रम

‘‘नए कौशल, नई राहें’’ कार्यक्रम नारीवादी नज़रिया निर्माण के साथ किशोरियों एवं महिलाओं को आजीविका एवं रोजगार के लिए तैयार करता है। कार्यक्रम के अंतर्गत प्रतिभागियों को सॉफ्ट कोर स्किल जैसे कि संवाद-संचार, आत्मविश्वास, टीम वर्क, समानभूति, समस्या समाधान, नेटवर्किंग, कोलैबोरेशन, जैसी क्षमताओं के साथ, हार्ड कोर्स स्किल जैसे कि, माइक्रोसॉफ्ट ऑफिस, टाइपिंग, डाटा-इंटरी, रिज्यूम बनाना, ईमेल लिखना, फोटोग्राफी, सोशल मीडिया हैंडलिंग एवं मार्केटिंग, इंग्लिश लैंग्वेज स्पीकिंग कोर्स, आदि क्षमताओं को कार्यक्रम विकसित करता हैं। प्रतिभागियों को इंटर्नशिप के द्वारा जॉब मार्केट एक्सपोजर और व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया जाता है।

पुरुष प्रधान रोजगार क्षेत्र के जैसे कि, कॉल सेंटर या कंप्यूटर ऑपरेटर के रूप में, प्रशासनिक नौकरियों में, नर्सिंग सहयोगी या दुकान सहायक के रूप में, शिक्षकों और ट्यूटर के रूप में जब लड़कियां एवं युवा महिलाएं प्रवेश करती है तो वह आत्मविश्वास, निडर होकर संस्थानों एवं कार्यस्थल पर अपनी जगह के साथ, अपनी पहचान बनाने में सक्षम होती हैं।

कार्यक्रम की प्रमुख गतिविधियाँ

नज़रिया निर्माण कार्यशाला	31	प्रतिभागी
बेसिक कंप्यूटर कार्यशाला	31	प्रतिभागी
जॉब रेडी स्किल कार्यशाला	28	प्रतिभागी
सोशल मीडिया डिजिटल एक्सेस कार्यशाला	28	प्रतिभागी
मेंटल हेल्थ मैनेजमेंट	28	प्रतिभागी
इंग्लिस लैंग्वेज कोर्स	31	प्रतिभागी
कार्टून मेकिंग और पेंटिंग कार्यशाला	28	प्रतिभागी
एक्स्पोजर विजिट	14	प्रतिभागी
इंटर्नशिप	09	प्रतिभागी
सामुदायिक अभियान	10	प्रतिभागी

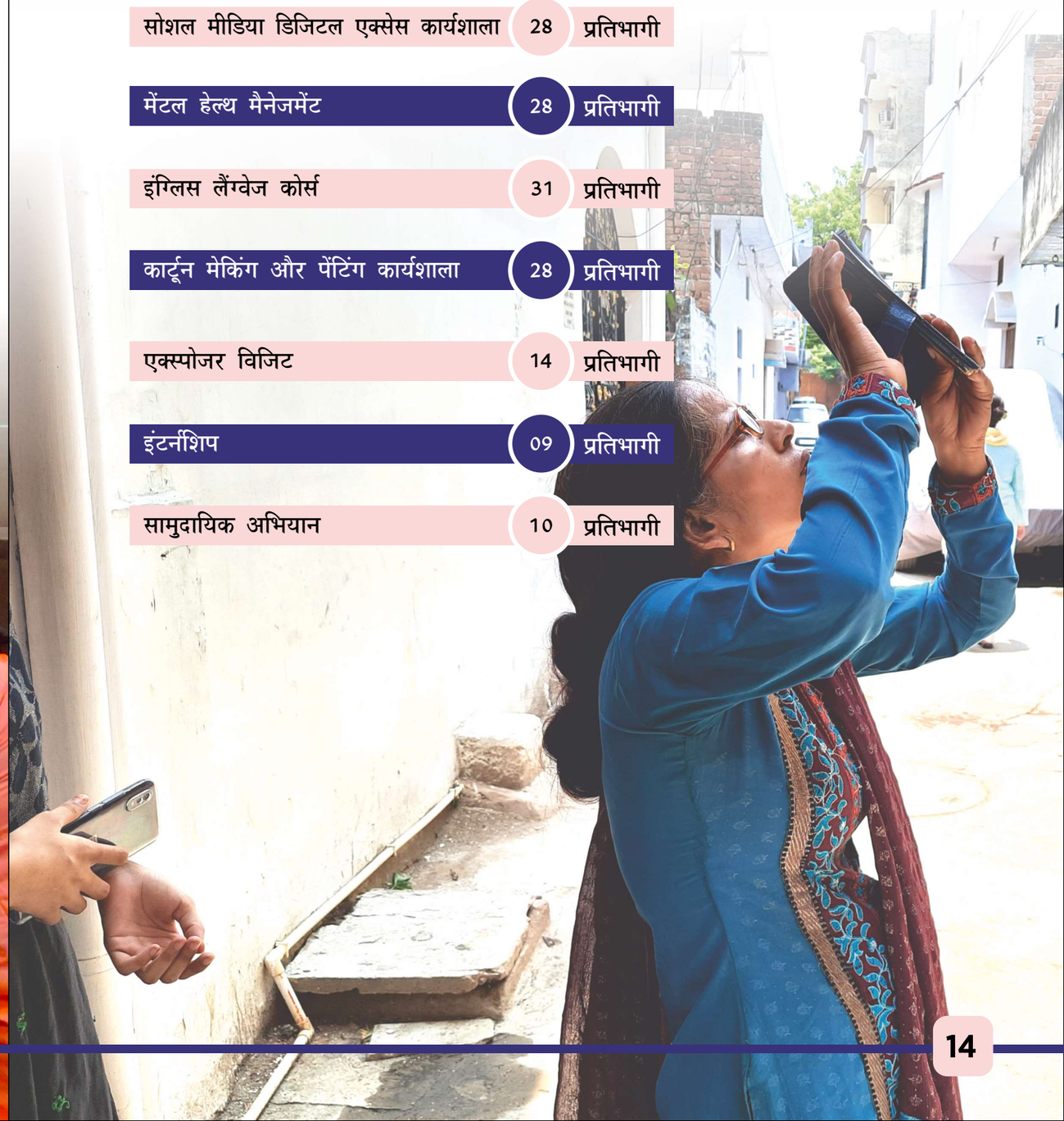

कार्यक्रम की प्रमुख उपलब्धियाँ

10 लड़कियों को रोजगार मिला।

01 लड़की ने अपने पसंद से शादी के लिए अपने परिवार की रूढ़ीवादी विचारधारा को बदला और परिवार को सहमत (राजी) कराया।

01 लड़की ने नेशनल लेवल की डिजिटल स्टोरी टेलिंग कंपटीशन में सिलेक्शन प्राप्त किया।

रोजगार, शिक्षा, लोकल गवर्नेंस, पर्यावरण जैसे मुद्दों पर कार्टून एक्सप्रेशन के साथ 10 स्टोरी पब्लिश की गई।

02 लड़कियों ने अपने परिवार के साथ रूढ़िवादी एवं पितृसत्तात्मक व्यवस्था को चुनौती देते हुए राज्य स्तरीय थियेटर वर्कशॉप में प्रतिभाग किया।

सफलता की कहानी

''शिक्षा मेरा अधिकार हैं और खुद के हक के लिए खड़ा होना मैंने सीख लिया हैं।''

मैं चांदनी, राधाग्राम, लखनऊ में 6 बहनों और माता-पिता के साथ रहती हूं। मेरे पिता साइकिल मरम्मत का काम और मेरी माँ घर से सिलाई का काम करती हैं। आर्थिक तंगी के कारण मेरी पढ़ाई बीच में ही छूट गई थी। हमारे ही मोहल्ले में सद्भावना ट्रस्ट संस्था ने नज़रिया लीडरशिप सेण्टर खोला है जहां पर कंप्यूटर सिखाया जा रहा है। मैं और मेरी बहन सेंटर से जुड़े और हम लोगों ने यहाँ पर कंप्यूटर के साथ-साथ हिंसा, खुद की बात रखना, खुद के लिए पहल करना, कानून और जेंडर भेदभाव से जुड़ी क्लास ली जिससे मेरे नज़रिए में काफी बदलाव आया और सबसे अच्छा तो मेरे लिए ये रहा कि मुझे अपने बारे में जानने का मौका मिला जिससे मुझे बहुत खुशी मिली अब तो मुझे लगता है मैं अपने हक और अधिकारों को जान पाई हूँ और साथ ही उसके लिए खड़ी हो सकती हूँ और दूसरों की मदद भी कर सकती हूँ।

सफलता की कहानी

''मैंने मान लिया था लड़कियों और महिलाओं के साथ होने वाली हिंसा उनकी जिंदगी का हिस्सा हैं''

मैं प्रिया, ठाकुरगंज, लखनऊ में अपने परिवार के साथ रहती हूं, मैंने सद्भावना ट्रस्ट द्वारा संचालित नजरिया लीडरशिप सेंटर के नए कौशल नई राहें कार्यक्रम से जुड़कर काफी महत्वपूर्ण और उपयोगी ज्ञान प्राप्त किया है। इसके माध्यम से मैंने कंप्यूटर, सोशल मीडिया मैनेजमेंट, अंग्रेजी भाषा, नजरिया निर्माण, मानसिक स्वास्थ्य, जेंडर समानता, और रोजगार जैसे क्षेत्रों में कौशल प्राप्त किया है।

इसके साथ ही महिलाओं और लड़कियों के साथ होने वाली हिंसा के बारे में भी जानकारी प्राप्त की है और जाना है कि हिंसा किस प्रकार और कितने तरीकों सें हमारे आस पास होती है। मुझे यह समझने में मदद मिली कि कैसे छोटे-छोटे मौकों में लड़कियों और महिलाओं से उनके अधिकारों को छीन लिया जाता है। यह छीनने की प्रक्रिया उन्हें शिक्षा, रोजगार, और अपने जीवनसाथी का चयन करने में रोकती है। इस कार्यक्रम के माध्यम से मैंने स्वयं को और दूसरों को जागरूक बनाने का महत्वपूर्ण कार्य किया है। इस प्रकार के शिक्षा और संचार के माध्यम से हम समाज में सुरक्षा, समानता और सहयोग की भावना को बढ़ावा दे सकते हैं, जिससे हिंसा के खिलाफ लड़ाई में सबकी सहभागिता होगी।

आज मैं ट्यूशन पढ़ाकर अपनी आजीविका के साथ-साथ बच्चों को जेंडर आधारित भेदभाव और हिंसा के बारे में सिखा रही हूँ । इस तरह की शिक्षा समाज में जागरूकता और समानता को बढ़ावा देती है और एक समय के साथ समाजिक बदलाव को प्रेरित करती है।

''बेख़ौफ नज़रे'' (यंग वूमेन लीडर)

वंचित समुदायों में रहने वाली युवा महिलाओं में पितृसत्तात्मक बाधाओं और जेंडर गैरबराबरी को चुनौती देने के लिए ''बेख़ौफ नज़रे'' पाठ्यक्रम के द्वारा नेतृत्व कौशल और क्षमता विकसित करता हैं, जो सामाजिक और सामुदायिक गतिविधियों में बदलाव लाता हैं।

इस कार्यक्रम से महिलाएं जुड़कर अपनी समझ बनाती हैं कि, जेंडर आधारित बटवारा एवं गैरबराबरी जीवन में कैसे डिजिटल विभाजन को प्रोत्साहित करता हैं। महिलाएं सूचना एवं तकनीकी (IT) के ज्ञान एवं कौशल को सीख कर, अपने रोज़मर्रा की जिंदगी में चुनौतियों का सामना करने में सक्षम हो और अपने लिए हिंसा मुक्त जीवन, आजीविका एवं आर्थिक आज़ादी के अवसरों को सुनिश्चित करती हैं अपनी पहचान एक समुदाय लीडर एवं रोल मॉडल के रूप में बनाती है जोकि, दूसरी महिलाओं के लिए प्रेरणा स्रोत होते हैं।

कार्यक्रम की प्रमुख गतिविधियाँ

पर्सपेक्टिव बिल्डिंग वर्कशॉप	15	प्रतिभागी
बेसिक कंप्यूटर वर्कशॉप	15	प्रतिभागी
न्यूज लैटर वर्कशॉप	15	प्रतिभागी
सोशल मीडिया डिजिटल वर्कशॉप	15	प्रतिभागी
मेंटल हेल्थ मैनेजमेंट	15	प्रतिभागी
इंग्लिस लैंग्वेज कोर्स	15	प्रतिभागी
कार्टून मेकिंग और पेंटिंग वर्कशॉप	15	प्रतिभागी
एक्स्पोजर विजिट	15	प्रतिभागी
एकाउंट्स वर्कशॉप	15	प्रतिभागी
जी.बी.वी.वर्कशॉप	15	प्रतिभागी

कार्यक्रम की प्रमुख उपलब्धियाँ

1850 लोगों तक समुदाय में कार्यक्रम के द्वारा पहुँच।

16 दिवसीय अभियान के अंतर्गत 8 क्षेत्रों में समुदायिक मेलों के माध्यम से फोटोग्राफी और कार्टून मेकिंग के द्वारा स्टोरी टेलिंग एक्सप्रेशन का आयोजन किया गया।

घरेलू हिंसा से संबंधित 35 केस का डॉक्यूमेंटेशन एवं फॉलोअप बेख़ौफ़ नज़रे कार्यक्रम से जुड़े लीडर्स द्वारा किया गया।

युवा मेला-(जेंडर आर्टिस्टिक एक्स्प्रेशन) 30 समुदाय के सामुदायिक लीडर्स एवं 500 प्रतिभागियों के साथ मिलकर आयोजित किया गया। इस मेले में जेंडर आर्टिस्टिक एक्स्प्रेशन थीम के अनुसार रोचक एवं मजेदार खेल-खेल में नजरिया बदलो, परदे के पीछे, कांटा लगा, जोर से बोल के साथ कला एवं संगीत के माध्यम से जेण्डर आधारित गैरबराबरी एवं भेदभाव पर साझी समझ बनाई गई, प्रतिभागियों के द्वारा अपनी आप बीती और अनुभवों को एक दूसरे के साथ साझा किया गया।

10 युवा लड़कियों को कोर्स पूरा करने के बाद फौरन ही नौकरी मिल गई और इन लड़कियों की आर्थिक निर्भरता अपने परिवार के ऊपर से समाप्त हो गई।

3 लड़कियों ने अपने परिवार से बातचीत करके अपनी शादी को टाल दिया और अपनी पढ़ाई को दोबारा से पूरा करने का फैसला लिया।

केस स्टोरी सफलता की कहानी

पापड़

मैंने सुना था कि ''डूबते को तिनके का सहारा चाहिए,
मेरे लिए शायद पापड़ ही वो तिनका था''

मैं शाकिरा लखनऊ में अपने परिवार के साथ रहती हूं। मेरा परिवार आर्थिक रूप से मजबूत नहीं है और मेरे पूरे परिवार की निर्भरता मेरे भाई की कमाई के ऊपर थी मुझे चटपटी चीजें खाने का बहुत शौक है एक दिन मैं अपने लिए पापड़ तल रही थी तभी मेरी भाभी ने मुझे एक ताना मारा तेल फ्री का नहीं आता है यह बात मुझे बहुत चुभ गई।

मेरे मोहल्ले में ''बेखौफ नजरे'' (यंग वूमेन लीडर) कार्यक्रम की बैठक हुआ करती थी पहली बार मैंने खुद से फैसला किया, मैं भी बैठक में जाऊंगी और सीखूंगी। मेरी पहली बैठक का विषय था महिलाओं की गतिशीलता एवं रोजगार ऐसा लगा कि शायद मेरे लिए ही यह बैठक आयोजित की जा रही है मैं लगातार बैठक में प्रतिभाग करती रही और अपनी समझ एवं ज्ञान को विकसित करती रही।

मैंने जाना कि पितृसत्तात्मक व्यवस्था क्या हैं, वित्तीय शिक्षा एवं आजादी, जेंडर एवं जेंडर आधारित भेदभाव कैसे डिजिटल भेदभाव को प्रोत्साहित करता है धीरे-धीरे मैंने अपने कौशल पर काम करना शुरू किया और आज मैं अपना सारा खर्चा खुद से चलाती हूं और खुद के लिए एक कमरा भी बनवाया है जिस पर मेरा अधिकार है साथ ही साथ मैं अपने परिवार के खर्चो में हाथ बटाती हूँ।

महिला सशक्तिकरण कार्यक्रम

सद्भावना ट्रस्ट 2009 से, महिला सशक्तिकरण के लिए काम कर रहा है। महिला सशक्तिकरण से अभिप्राय है कि, महिलाओं को उनके संवैधानिक एवं मानव अधिकारों से जागरूक कराना जिससे सामाजिक, आर्थिक, और राजनीतिक निर्णय स्वयं लेने में सक्षम हो और जेण्डर आधारित भेदभाव और हिंसा मुक्त परिवेश का निर्माण कर सकें। इस कार्यक्रम के निम्न तीन प्रमुख चरण हैं।

1. सामुदायिक स्तर पर महिलाओं का एक संगठन बनाना ताकि, उन्हें सामाजिक मुद्दों की पहचान हो सके और सार्वजनिक क्षेत्र में उनकी भागीदारी बढ़ाने के लिए सशक्त बनाया जा सके।

2. वंचित और जरूरतमंद समुदायों की महिलाओं को उनका हक दिलाने एवं सरकारी योजनाओं तक पहुँचने में सक्षम बनाना और महिलाओं के द्वारा आवेदन प्रक्रिया की निगरानी एवं जवाबदेही को सुनिश्चित कराना।

3. लिंग आधारित हिंसा को संबोधित करना और कानूनी साक्षरता एवं जागरूकता के माध्यम से उनके अनुसार निर्णय लेने में सहायता करना एवं नए विकल्प देते हुए पुनः स्थापित करना है ।

महिला फोरम

महिला फोरम का गठन

सामुदायिक स्तर पर महिला सशक्तिकरण की प्रक्रिया में, महिलाएं समुदायिक रूप से संगठित होकर गहन क्षमतावर्धन प्रक्रिया को बढ़ावा देने के लिए शामिल की जाती हैं। महिला फोरम की सदस्य सत्ता, पितृसत्ता, जेंडर, जेंडर आधारित भेदभाव एवं हिंसा, महिला संरक्षण कानून, समता-समानता एवं अधिकार से संबंधित विषय पर ट्रेनिंग के माध्यम से खुद का क्षमता वर्धन करती है और सामुदायिक स्तर पर महिला फोरम के द्वारा अन्य महिलाओं को जोड़ती है, जिससे वह अपने पारिवारिक एवं सामुदायिक स्तर पर हिंसा मुक्त एवं सम्मान पूर्वक जिंदगी गुजारते हुए आजीविका एवं रोजगार के अवसरों को सुनिश्चित कर सके।

प्रमुख गतिविधियां

शहरी क्षेत्र में म्युनिसिपल कॉरपोरेशन वार्ड	11	संख्या
महिला लीडर	42	संख्या
मोहल्ला	50	संख्या
महिला फोरम	31	संख्या
महिला फोरम के सदस्य	600	संख्या
महिला फोरम में कार्यशाला एवं बैठक	372	संख्या

(सामुदायिक बैठकों का आयोजन - आयोग शिक्षा, पितृसत्ता, जेंडर, पहचान, भेदभाव, जेंडर - घरेलू हिंसा एवं संबंधित कानून, यौनिकता, माहवारी एवं स्वास्थ्य प्रबंधन, संवैधानिक अधिकार जैसे विषयों पर किया गया।)

प्रमुख उपलब्धियां

17 महिलाएं घरेलू एवं जेंडर आधारित हिंसा से संबंधित केस का डॉक्यूमेंटेशन करने में सक्षम हुई हैं।

3 वार्ड में सरकार द्वारा वितरण राशन (कन्ट्रोल) में प्रति व्यक्ति 1 किलो राशन कम देने की समस्या का समाधान हेतु खाद्य आपूर्ति विभाग एवं म्युनिसिपल कॉरपोरेटर के साथ मिलकर समस्या का समाधान कराया गया।

1 समुदाय में आंगनबाड़ी द्वारा पोषण आहार वितरण नियमित रूप से नहीं किया जाता था जिसे महिला लीडर्स के द्वारा नियमित रूप से वितरण कराने एवं निगरानी करने का कार्य सुचारू रूप से किया गया।

1 समुदाय के अंदर अवैध पार्किंग को हटाने के लिए नगर निगम एवं पुलिस को एप्लिकेशन देने से लेकर अवैध पार्किंग को हटवाने तक का कार्य महिला लीडर्स के द्वारा किया गया।

समुदाय में स्थित सरकारी विद्यालय में शौचालय सुचारू रूप से काम नहीं करते थे, महिला लीडर्स द्वारा ऐसे शौचालयों को चिन्हित किया गया और समग्र शिक्षा जिला बेसिक अधिकारी से मिलकर शौचालयों को सुचारू रूप से उपयोग करने योग्य बनाने का कार्य किया गया।

सूचना डेस्क
(इनेबलिंग एक्सेस टू एंटाइटलमेंट)

महिला फोरम से जुड़ी महिला लीडरों के द्वारा समुदाय स्तर पर हाशिये पर रहने वाली महिलाओं को सरकारी योजनाओ एवं अधिकारों की जानकारी देने के साथ योजनाओं तक पहुँच बनाने के लिए सक्षम करना हैं जैसे खाद्य सुरक्षा, स्वास्थ्य अधिकार एवं लाभ, वित्तीय साक्षरता, और शैक्षिक छात्रवृत्ति जैसी सुविधाएं आदि।
हम जेण्डर नज़रिए से मुद्दों का विश्लेषण करने और सरकार की नीतियों और योजनाओं तक पहुँच बनाने के साथ ही साथ समुदाय में समस्या का पता लगाने के लिए रिसर्च सर्वेक्षण करते हैं और निष्कर्षों का उपयोग योजना के अमल में अंतर और समस्याओं को दिखाने के लिए करते हैं।

प्रमुख गतिविधियां

म्युनिसिपल कॉरपोरेशन वार्ड	11	संख्या
मोहल्ला	50	संख्या
प्रत्यक्ष समुदायिक जुड़ाव	300	संख्या
सूचना डेस्क का आयोजन	04	संख्या
सूचना डेक्स के माध्यम से आवेदन	291	संख्या

संधर्षशील महिलाओं के साथ जेण्डर आधारित हिंसा का मुकाबला करना

रोकथाम और जागरूकता

हमारे नेतृत्व पाठ्यक्रम में महिलाओं और लड़कियों के साथ जेण्डर आधारित हिंसा पर रोकथाम और जागरूकता का कार्य मुख्य हिस्सा हैं जिसके द्वारा भेदभाव-हिंसा को पहचान कर रोकना और संबंधित कानूनों का प्रचार-प्रसार करना हैं।

रिस्पॉन्स एवं जवाबदेही

जेंडर आधारित हिंसा के मामलों में हमारी नजरिया बहुआयामी है। जब हिंसा का अनुभव करने वाली महिलाएं या लड़कियां हमारे पास आती हैं, तो हम परामर्श प्रदान करते हैं और कार्यवाही के अपने पसंदीदा तरीके को निर्धारित करने में उनकी सहायता करते हैं, चाहे वह कानूनी कार्यवाही हो या मध्यस्थता के माध्यम से समाधान।

क़ानूनी साक्षरता एवं जागरूकता

हिंसा का अनुभव करने वाली महिलाओं को निशुल्क कानूनी साक्षरता एवं जागरूकता प्रदान करते हैं जिससे कि वह अपने ऊपर होने वाली हिंसा एवं अपने आसपास समुदाय में होने वाली हिंसा को पहचान सकें और उससे संबंधित कार्यवाही करने में सशक्त हो सकें।

कानूनी सहायता से संबन्धित प्रमुख गतिविधियां

180 महिलाओं को कानूनी साक्षरता एवं जागरूकता के माध्यम से सशक्त किया गया और हिंसा की पहचान करना एवं उससे संबंधित रोकथाम की प्रक्रियाओं के बारे में जागरूकता प्रदान की गई।

20 संघर्षशील महिला महिलाओं के बच्चों को एजुकेशन स्कॉलरशिप दिया गया।

200 घरेलू हिंसा एवं जेण्डर आधारित हिंसा के केस में संधर्षशील महिलाओं के साथ फॉलोअप विजिट किया गया।

50 महिलाओं को रोजगार अनुदान दिया गया है जिससे कि वह अपनी आजीविका को संरक्षित कर सके और सम्मान पूर्वक जीवन जी सकें।

22 सिलाई में हुनरमंद महिलाओं को उनके रोजगार में मदद करने के लिए सिलाई मशीनें दी गई।

स्वरोजगार करने वाली महिला

मेरा नाम फातिमा है और मैं एकल महिला हूं मेरी तीन लड़कियां हैं मेरे पति ने हमे छोड़ दिया, अपने घर को चलाने के लिए घरेलू कामगार महिला के रूप में घरों में जाकर खाना बनाने का काम करती थी, covid 19 महामारी ने वह रोजगार भी हमसे छीन लिया।

मुझे सद्भावना के द्वारा महिला मंच से प्राप्त रोजगार अनुदान ने नई संभावनाओं को खोल दिया, जिससे मैंने अपनी एक दुकान शुरू किया यह अनुदान मुझे 2 किस्तों में मिला। आज मैं एक स्वरोजगार करने वाली महिला के रूप में जानी जाती हूँ और अपने परिवार की आजीविका सम्मान के साथ चला रही हूँ।

पढ़ाई की कोई उम्र नहीं होती हैं

मेरा नाम सालेहा हैं मैं अपनी पढ़ाई पूरी नहीं कर पाई लेकिन अपने समुदाय में लड़कियों की पढ़ाई के लिए हमेशा प्रयास करती रहती हूँ। हमारे परिवार में मुझको लेकर चार बहनें और एक भाई थे। मेरा परिवार भाई को ही पढ़ाई के लिए स्कूल भेजता था, मेरी कम उम्र में शादी हो गई, मेरा सपना था कि, मैं पढ़-लिख कर नौकरी करूं, लेकिन शादी के बाद वो भी खो गया। सद्भावना ट्रस्ट के द्वारा हमारे मोहल्ले में महिला मंच का संचालन किया जा रहा था मैं उस मंच से जुड़ गई, मंच से जुड़ने के बाद मैने जाना की पढ़ाई की कोई उम्र नहीं होती हैं मैने महिला मंच के साथियों के साथ मिलकर पढ़ना लिखना सीखा और आज सामुदायिक लीडर के रूप में महिला मंच के साथ काम कर रही हूँ। हमारे मोहल्ले के सरकारी स्कूल में लड़कियों के लिए शौचालय इस्तेमाल करने लायक नहीं था जिसके लिए मैने विद्यालय के प्रधानाध्यापक एवं शिक्षा विभाग के पदाधिकारियों के साथ बात करके शौचालय को इस्तेमाल करने लायक बनाया और अपने समुदाय में पानी की टंकी रखवाई, जिससे की झोपड़ियों में रहने वाली कामगार महिलाओं को पानी के लिए भटकना न पड़े।

समुदाय लीडर का क्षमतावर्धन

प्रशिक्षण संख्या	3
समुदायिक महिला लीडर्स	42
मासिक बैठक	24
डॉक्यूमेंटेशन एंड केस वर्क रिपोर्ट राइटिंग	04
मुद्दे (विषय) आधारित कार्यशाला	06

(जेंडर आधारित भेदभाव एवं हिंसा, घरेलू हिंसा अधिनियम, यौन उत्पीड़न संरक्षण कानून, यौन प्रजनन स्वास्थ्य एवं अधिकार, मेन्टल हेल्थ, वित्तीय साक्षरता, बाजारीकरण आदि)

लखनऊ लीडर्स

लखनऊ लीडर्स एक सोशल मीडिया पहल हैं जिसकी शुरूवात सद्भावना ट्रस्ट ने लॉकडाउन के दौरान किया था। लखनऊ लीडर्स समुदाय से उभरी युवा नेत्रियों का समूह हैं जो सद्भावना ट्रस्ट के लीडरशिप बिल्डिंग प्रोग्राम से उभर कर आई हैं, सोशल मीडिया कार्यक्रम इन्ही लड़कियों के नेतृत्व में चल रहा हैं।

लखनऊ लीडर्स का उद्देश्य वंचित समुदाय में रहने वाली महिलाओं की संघर्ष एवं सफलता की कहानियों को डिजिटल प्लेटफॉर्म के माध्यम से प्रचार प्रसार करना और उनके हुनर को रिकॉर्ड करके डिजिटल स्पेस में पहचान एवं सम्मान दिलाना है। लखनऊ लीडर्स यूट्यूब के माध्यम से अन्य सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म को जोड़ता है जिसमें संघर्षशील महिलाओं की सफलता की कहानियां एवं हुनर रिकॉर्ड करके सामुदायिक स्तर पर अन्य महिलाओं को प्रेरित करता है जिससे वह पहचान एवं सम्मान प्राप्त कर सकें।

12502	लखनऊ लीडर्स के वीडियोस पर कुल व्यूज़
267:20	फुल वीडियो की टाइमिंग 267 घंटे 20 मिनट देखा गया
92629	इंप्रेशन यूट्यूब वीडियो के थंबनेल 92629 बार देखा गया
509	इस वित्तीय वर्ष कुल सब्सक्राइबर
36	लखनऊ लीडर यूट्यूब चौनल पर 36 वीडियो को अपलोड किया गया

राजनीति क्षेत्र में महिलाओं की भागीदारी

लखनऊ लीडर्स टीम के द्वारा लखनऊ एवं फैजाबाद जिले में 150 महिला लीडर्स प्रधान, वार्ड मेंबर, एमएलए, कार्पोरेटर के साथ रिसर्च किया गया। जिसके अंतर्गत 10 डिजिटल इंटरव्यू को रिकॉर्ड किया और लखनऊ लीडर्स यूट्यूब चैनल के माध्यम से राजनीतिक क्षेत्र में महिलाओं की भागीदारी से संबंधित उपलब्धियां एवं चुनौतियों को प्रदर्शित किया गया।

मोहल्ला पकवान

मोहल्ला पकवान समुदाय का एक ऐसा अनोखा पहल है जिसमें बस्तियों में रहने वाली महिलाओं के ज़रिये कम सामग्री में बने नये व्यंजन के खास तरीकों का प्रर्दशन होता हैं। इसके ज़रिये आम घरानों की वे महिलाएं, जिन्होने कोरोना महामारी में, जब कई त्योहारों के दौर भी चल रहे थे तब उन्होंने घर में मौजूद कम से कम सामग्री में नये-नये पकवानों को पहचान दी थी। उन्ही महिलाओं के हुनर को "लखनऊ लीडर्स" सोशल मीडिया के ज़रिये प्रस्तुत करता हैं और उनके काम को पहचान देने में मदद करता हैं।

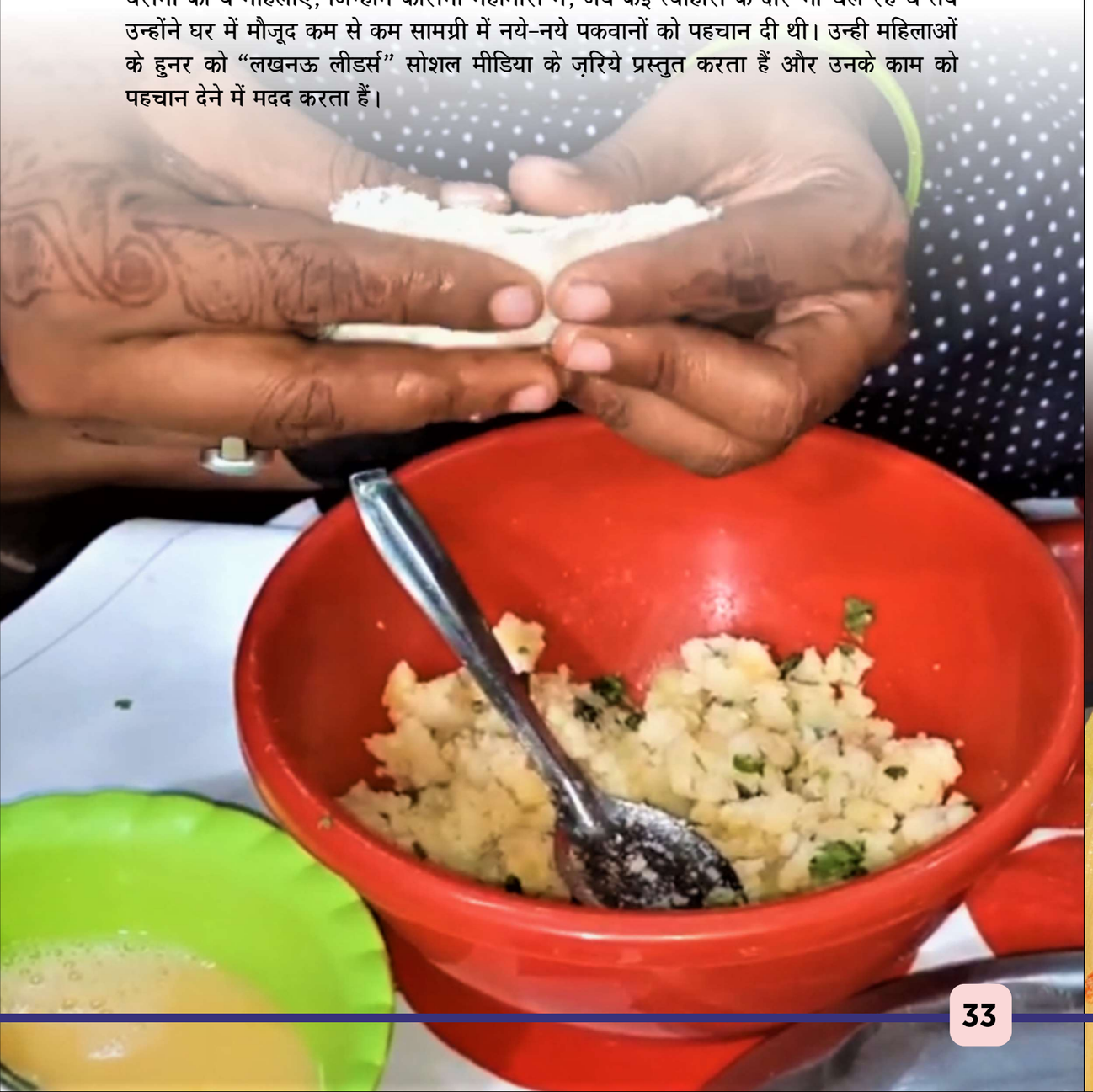

डिजिटल लिटरेसी प्रोग्राम

डिजिटल लिटरेसी कार्यक्रम का उद्देश्य महिलाओं को डिजिटल दुनिया से परिचय कराना हैं, जिससे वह अपने रोजमर्रा में डिजिटल चुनौतियों का सामना कर सके और खुद से अपनी समस्या का समाधान निकालने में सक्षम हो सकें। डिजिटल लिटरेसी कार्यक्रम, महिलाओं को 6 महीने तक डिजिटल एवं तकनीकी की बुनियादी जानकारी से लेकर कुशल कौशल जानकारी तक शिक्षा प्रदान करता है।

जिन महिलाओं को पढ़ना एवं लिखना नहीं आता है उन महिलाओं को विजुअल मेमोरी के साथ आइकॉन क्रोम, गूगल, गूगल मैप्स, यूट्यूब, की पहचान से लेकर वॉयस कमांड, मोबाइल एप्लीकेशन एवं फंक्शन का उपयोग करना भी सिखाया जाता है। कैलकुलेटर, अलार्म, ब्लूटूथ, वाई-फाई, हॉटस्पॉट, नेट कब ऑन और कब ऑफ होता है, फ्लाइट मोड जैसी महत्वपूर्ण जानकारियों को भी उन्हें बताया जाता हैं।

नेट एवं मोबाइल बैंकिंग के साथ यूपीआई बारकोर्ड, गूगल पे, फोनपे, पेटीएम आदि का उपयोग, ई-कॉमर्स एप्लीकेशन जैसे ओला, उबर, अमेजॉन, फ्लिपकार्ट, मीशो जैसे एप्लीकेशन का प्रयोग करना सिखाया जाता है।

इस कार्यक्रम के प्रमुख भाग हैं

- सरकारी योजनाओं से लाभार्थियों को आवेदन प्रक्रिया से जोड़ना
- डिजिटल नेट एवं मोबाइल बैंकिंग यूपीआई से जोड़ना
- पहचान पत्र संबंधित दस्तावेज जैसे आधार कार्ड, पैन कार्ड, वोटर आईडी कार्ड की आवेदन से प्राप्ति तक समस्त प्रक्रिया का संचालन करना
- ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म जैसे अमेजॉन, जोमैटो, उबर, रैपीडो जैसी ऐप्स बेस्ट सेवाओं का उपयोग करना

कार्यक्रम की प्रमुख उपलब्धियां

400 लोगों तक कार्यक्रम की प्रत्यक्ष पहुंच।

20 डिजिटल लिटरेसी मास्टर ट्रेनर सामुदायिक स्तर पर अपनी पहचान बनाने में सक्षम हुए।

''इन हर वॉयस''

'इन हर वॉयस' कार्यक्रम एक केंद्रीकृत जेंडर संवेदनशीलता प्रशिक्षण कार्यक्रम है, जिसमें 15 से 25 वर्ष की आयु के 18 चयनित किशोर लड़के और युवा पुरुषों ने नारीवादी नजरिया के साथ जेंडर, हिंसा, और मानसिक स्वास्थ्य के मुद्दों पर अपना नजरिया निर्माण एवं प्रशिक्षण प्राप्त किया। प्रतिभागियों के साथ बुनियादी कंप्यूटर, फोटोग्राफी और सोशल मीडिया प्रबंधन पर तकनीकी कौशल विकास प्रशिक्षण भी आयोजित किया गया ताकि वे अपनी सीख के आधार पर डिजिटल प्लेटफॉर्म के लिए सामग्री तैयार कर सकें।

इसके साथ ही, उन्होने व्यवहार प्रबंधन प्रशिक्षण भी प्राप्त किया जो लड़कियों और महिलाओं द्वारा सहमति, सीमाओं, साथ रहने वाले स्थानों का सम्मान करते हुए, आक्रामक मर्दाना व्यवहार (टॉक्सिक मैस्कुलिनिटी) के लक्षणों को छोड़ने और सार्वजनिक और निजी स्थानों में खुद को संचालित करने के नए तरीकों को अपनाने पर केंद्रित था। इस कार्यक्रम का परिणाम यह निकला कि, कुछ चयनित प्रतिभागियों ने युवा लड़कियों और महिलाओं की गतिशीलता बढ़ाने के लिए समुदाय की 10 लड़कियों और महिलाओं को स्कूटी चलाने का प्रशिक्षण भी दिया, जो उन्हें सशक्त बनाने और पुरुषों और महिलाओं के बीच विश्वास की दीवार बनाने के लिए था।

प्रशिक्षण सत्र के अंत में प्रतिभागियों के द्वारा थिएटर वर्कशॉप में भाग लिया और सद्भावना के द्वारा संचालित शहरी क्षेत्र की बस्तियों में नुक्कड़ नाटक का प्रदर्शन किया, जिससे जेंडर आधारित हिंसा एवं भेदभाव के बारे में जागरूकता बढ़ी और महिलाओं के खिलाफ हिंसा के लिए शून्य एवं गैर-बर्दाश्त की नीति के महत्व पर प्रकाश डाला गया।

कार्यक्रम की प्रमुख गतिविधियाँ

नज़रिया निर्माण कार्यशाला	15	दिन
बेसिक कंप्यूटर कार्यशाला	10	दिन
मेन्टलहेल्थ कार्यशाला	05	दिन
सोशल मीडिया डिजिटल कार्यशाला	15	दिन
थेटर कार्यशाला	05	दिन
समुदाय अभियान	08	दिन
मोटरसाइकिल लर्निंग कार्यशाला	60	दिन

कार्यक्रम की प्रमुख उपलब्धियाँ

कार्यक्रम से जुड़े चिन्हित लड़को के द्वारा, 10 लड़कियों को दो पहिया वाहन (स्कूटी) चलाना सिखाया ताकि, उनके बीच ट्रस्ट बिल्डिंग हो सके और वो लड़कियों एवं महिलाओं के प्रति संवेदनशील हों।

अभियान और नेटवर्किंग

हमारे काम के एक महत्वपूर्ण पहलू में महिलाओं के अधिकारों को बढ़ावा देने और उनकी सुरक्षा के लिए समर्पित अभियानों, सामाजिक आंदोलनों और नेटवर्क को सक्रिय रूप से संगठित करना और उनमें भाग लेना शामिल है। हम सामुदायिक स्तर के अभियान आयोजित करने, नारीवादी और नागरिक समाज नेटवर्क के नेतृत्व में राज्य और राष्ट्रीय स्तर की पहल में सक्रिय रूप से शामिल होने पर गर्व महसूस करते हैं। ये अभियान ऑनलाइन और ऑफलाइन दोनों तरह से एक शक्तिशाली मंच के रूप में काम करते हैं, जिससे लड़कियों और महिलाओं को लैंगिक असमानता के खिलाफ आवाज उठाने और सार्थक बदलाव की वकालत करने में मदद मिलती है। हम उनकी आवाज को बुलंद करने में विश्वास करते हैं, एक ऐसा स्थान प्रदान करते हैं जहां उनकी चिंताओं और अनुभवों को साझा किया जा सके, और एक अधिक न्यायसंगत समाज की दिशा में सामूहिक रूप से काम कर सकें।

‘अन्तर्राष्ट्रीय 16 दिवसीय अभियान’
‘तोड़ी बंदिशेंः हक की आवाज’ अभियान

बेरोजगारी की दर में वृद्धि और महिलाओं के प्रति हिंसा का बढ़ना वास्तव में चिंताजनक है। इससे परिवारों की आर्थिक स्थिति प्रभावित हो रही है और युवा लड़कियों और महिलाओं पर विशेष बोझ पड़ रहा है। ये समस्याएं उन्हें शिक्षा से वंचित करके और शादी के लिए जल्दी मजबूर करके उनके जीवन की स्वतंत्रता पर असर डाल रही हैं। इससे यौन हिंसा, मानसिक शोषण, शारीरिक हिंसा, आर्थिक शोषण और तलाक जैसे मुद्दे बढ़ गए हैं। इसके चलते महिलाओं को अपनी चिंताओं को व्यक्त करने में कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है और उनके पास अवसरों की कमी है।

इन संकटपूर्ण परिस्थितियों को देखते हुए, सद्भावना ट्रस्ट ने ‘‘अंतर्राष्ट्रीय 16 दिवसीय अभियान‘‘ के तहत ‘‘तोड़ी बंदिशेंः हक की आवाज‘‘ अभियान का आयोजन किया है। इस अभियान में ऑनलाइन और ऑफलाइन गतिविधियों का समावेश है। समुदाय के महिला लीडर्स ने लखनऊ के शहरी क्षेत्रों से जेंडर आधारित हिंसा को उजागर करने वाली कई कहानियां इकट्ठी की हैं और उन कहानियों के आधार पर युवतियों ने विभिन्न स्तरों पर पहल की है। इस अभियान के मुख्य उद्देश्यों में समुदाय के अंदर लिंग आधारित हिंसा के बारे में जागरूकता फैलाना, शासनिक पहलों में लड़कियों और महिलाओं की भागीदारी को बढ़ावा देना और रचनात्मक गतिविधियों के माध्यम से मानसिक स्वास्थ्य से संबंधित मुद्दों को संज्ञान में लाना शामिल हैं। यह अभियान लोगों को जागरूक करने, संघटनात्मक पहलों को बढ़ावा देने और समाज में बदलाव लाने का एक महत्वपूर्ण कदम है। इससे महिलाओं को अपने अधिकारों के बारे में ज्ञान प्राप्त होता है और उन्हें आत्मविश्वास की भावना मिलती है।

16 दिवसीय अभियान के अंतर्गत प्रमुख गतिविधियां

गतिविधि	दिन	प्रतिभागी	क्षेत्र
फिल्म	07	700	07
कार्टून कार्यशाला	04	30	07
पेन्टिंग कार्यशाला	05	80	07
युवा द्वारा हिंसा के मुद्दे पर कम्युनिटि इवेंट	08	800	08
घरेलू हिंसा पर कार्यशाला	05	30	11

महिला दिवस

सद्भावना महिला दिवस सिर्फ एक दिन नहीं बल्कि इस एक दिन को बड़े त्यौहार के रूप में मनाता है। इस वर्ष महिला दिवसीय अभियान 'तोड़ी बंदिशेः खुद से खुद की पहचान' का आयोजन किया गया। जिसमें हमारे किशोरी एवं महिला फोरम के माध्यम से सामुदायिक स्तर पर लगातार गतिविधियाँ चलती रहीं हैं। जिसके द्वारा उन्हें यह महसूस होता हैं कि, वह विशेष हैं, उनका योगदान परिवार से लेकर राष्ट्र के निर्माण में महत्वपूर्ण है।

सद्भावना ट्रस्ट पिछले कई सालों से अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस कार्यक्रम को अलग- अलग तरह से मनाता रहा है जिसमें महिलाओं से जुड़े मद्दों पर संवाद करता है। इस साल भी अभियान की शुरूआत में लीडरशिप बिल्ड़िग प्रोगाम से जुड़े यूथ लीडर्स ने प्रत्येक क्षेत्रों में जेण्डर बेस्ड वाइलेंस के मुद्दे पर अभियान चलाया। साथ ही अभियान समापन के उपलक्ष्य में 11 मार्च 2023 को व्यापक स्तर पर महिला दिवस का आयोजन किया गया। संस्था द्वारा चलाए गए कई अलग प्रकार के कोर्स जिनमें डिजिटल लिट्रेसी और इन हर वॉयस प्रोग्राम, बेसिक एंव एडवांस कोर्स से जुड़े युवाओं और महिलाओं को प्रोत्साहित करने के लिए सर्टिफिकेट देकर उन्हें सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में समुदाय, प्रशासन और संस्था से जुड़े हितधारक भी शामिल हुये। कार्यक्रम के दौरान युवा साथियों ने अपने कोर्स का सफर और सीख सबके साथ साझां किया।

महिला दिवस अभियान में प्रमुख गतिविधियाँ

लीडर्स महिलाओं द्वारा कार्यक्रम का आयोजनः

इस अभियान में, महिला लीडर्स ने स्वयं को मुख्य संचालक के रूप में स्थापित करके कार्यक्रम का नेतृत्व किया। यह उन्हें सक्षम करने का एक महत्वपूर्ण कदम था।

युवा साथियों द्वारा सीख की शेयरिंगः

अभियान के दौरान, युवा साथी अपने कोर्स के सफर और सीख को साझा करने में सक्रिय रहे। इससे महिलाओं को और अधिक प्रेरणा मिली और उन्हें स्वतंत्रता और सम्मान की बढ़ती हुई आवश्यकता की अनुभूति हुई।

घरेलू हिंसा पर आधारित नाटकः

कोर्स से निकले युवा लड़कों ने समुदाय में घरेलू हिंसा पर आधारित एक नाटक प्रस्तुत की। इसके माध्यम से महिलाओं को इस समस्या के बारे में जागरूकता प्राप्त हुई और उन्हें समर्थन और संरक्षण की आवश्यकता का भी बोध हुआ।

महिला दिवस अभियान निम्न क्षेत्रों में मनाया गयाः

इस अभियान का आयोजन समुदाय के 8 क्षेत्रों में किया गया। इससे महिलाओं के बीच एकता और सामाजिक संबंधों में सुधार को बढ़ावा मिला।

खेल-खेल में नजरिया बदलोः

खुद से खुद की पहचान के आयोजन के तहत, महिलाओं के लिए मनोरंजक खेलों की व्याख्या की गई। इससे महिलाएं अपने नजरिए का निर्माण कर सकीं और सामाजिक मुद्दों को समझने का अवसर प्राप्त कर सकीं।

भागीदारी का हिस्सा बननाः

इस अभियान में लगभग 750 महिलाएं भाग लीं और इसका हिस्सा बनीं। इससे सामुदायिक आदान-प्रदान को मजबूती मिली और महिलाओं की सहभागिता को प्रोत्साहित किया गया। यह सभी गतिविधियाँ महिलाओं को प्रेरित करने, उन्हें जागरूक करने और समाज में सक्रिय भूमिका निभाने के लिए आयोजित की गई।

स्टाफ टीम बिल्डिंग एंड नेटवर्किंग

नजरिया निर्माण एवं नेतृत्व क्षमता विकास

सद्भावना ट्रस्ट अपने कर्मचारियों के कौशल को बढ़ाने में निवेश करता है। संगठन का उद्देश्य समुदाय की युवा महिलाओं को प्रशिक्षकों सहित विभिन्न भूमिकाओं में शामिल होने और काम करने के अवसर प्रदान करना है। संस्था के द्वारा प्रदान किए गए हालिया प्रशिक्षण कार्यक्रम लिंग आधारित हिंसा, कानूनी साक्षरता, सामाजिक-राजनीतिक मुद्दों, सार्वजनिक और मानसिक स्वास्थ्य, लेखन, कंप्यूटर कौशल, फोटोग्राफी, वीडियोग्राफी और सोशल मीडिया प्रबंधन जैसे विभिन्न विषयों पर ध्यान केंद्रित करते हैं। कर्मचारी उनकी सीखने की जरूरतों की पहचान करते हैं, और बाहरी संसाधनों को सत्र आयोजित करने या अन्य संगठनों द्वारा आयोजित पाठ्यक्रमों और कार्यशालाओं में भाग लेने के लिए आमंत्रित किया जाता है। युवा नेताओं के लिए एक कार्यक्रम सहित अन्य संगठनों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम भी आयोजित करता है। ट्रस्ट द्वारा प्रशिक्षित की गई लड़कियां अब आंतरिक और बाहरी दोनों कार्यक्रमों की प्रशिक्षक हैं।

हमारी संस्था के लिए कार्यकर्ताओं का क्षमता विकास कार्यक्रम एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। जो नियमित रूप से कार्यकर्ताओं के साथ संचालित किया गया हैं। क्योंकि वे समुदाय से उभर कर संस्था में नेतृत्व की भूमिका में आयें हैं। इसलिए उनको समुदाय में मौजूदा उभरते मुद्दों पर उनकी समझ बनाना ज़रूरी हैं। पिछले एक साल में संस्था के साथियों को कई अलग- अलग मुद्दे पर प्रशिक्षण में जुड़ने का मौका मिला जिससे उनके अंदर सम्प्रेषण क्षमता बढ़ी, वे तकनीकी कामों को स्वतंत्र रूप से कर पाते हैं, बाहरी संस्थाओं के साथ जुड़ाव हुआ हैं।

आयोजित कार्यशालाओं की एक झलकः

प्रमुख गतिविधियां

इफेक्टिव कम्युनिकेशन और पब्लिक स्पीकिंग कार्यशाला	16	दिन
यौनिकता की पहचान और अभिलाषा के मुद्दे पर कार्यशाला	03	दिन
पॉडकास्ट क्रिएटिव राइटिंग और स्टोरी क्राफ्ट कार्यशाला	03	दिन
फोटो-वॉक और स्ट्रीट फोटोग्राफी कार्यशाला	03	दिन
इंग्लिश लैंग्वेज कोर्स	60	दिन
स्टोरी टेलिंग और क्रिएटिव एक्सप्रेशन कार्यशाला	03	दिन
रिपोर्ट राइटिंग डिजाइनिंग और स्टोरी मेकिंग कार्यशाला	05	दिन

वित्तीय वर्ष 2022-23 के अंतर्गत संस्था द्वारा किए गए संस्थागत कार्य

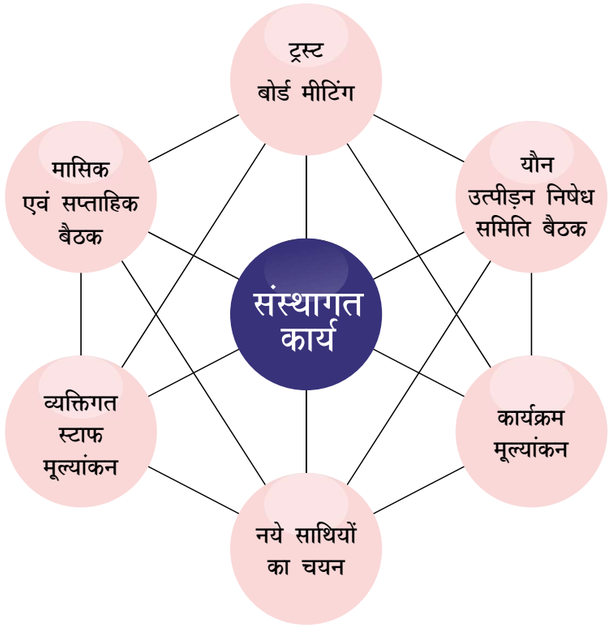

चुनौतियांः

- कोविड के बाद समुदाय का फोकस सीखना- सीखाना नही बल्की अपने लिए स्थाई रोज़गार ढूढ़ना रहा हैं जिसकी वजह से संस्था के कार्यक्रम में प्रतिभागियों को एकत्रित करने में कई प्रकार की चुनौतियों का सामना करना पड़ा।
- पिछले कुछ सालों में महिला हिंसा का मुद्दा बहुत ही तेज़ी से बढ़ा हैं, जिसमें महिला की कई फौरी ज़रूरते होती हैं जैसे- लम्बे समय तक आश्रय, सामाजिक सुरक्षा, रोज़गार और स्वास्थ्य। ऐसी स्थिति में संस्था के पास पूर्ण संसाधन ना होने के कारण उन्हें राहत नही दे पाती, यह स्थिति संस्था की गम्भीर चुनौतियों में से एक हैं।
- लिंग आधारित हिंसा से जूझ रही महिलाएं लम्बे समय के बाद अपना धैर्य और आत्मविश्वास खोने लगती है, जिसके कारण वे कानूनी प्रक्रिया को पूरा करने के पहले ही अपना कदम पीछे कर लेती हैं। जिसका असर संस्था के कार्यकर्ताओं के मानसिक स्वास्थ्य पर पड़ता हैं जो पूर्ण रूप से उनके साथ जुड़ी रहती हैं।

फंडिंग एजेन्सी

AMERICAN JEWISH WORLD SERVICE

Meedan

dasra

GLOBAL FUND FOR WOMEN

EMpower